दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 205
मुरादाबाद
(Monday)
16 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदीः पिछली सरकारों ने न आदिवासियों को समझा और न ही उनकी परवाह की, जनजातीय दिवस पर बोले प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें जनजातीय छात्रों के लिए 38 एकलव्य आवासीय स्कूल की सौगात शामिल है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने करीब 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 246 विकास परियोजनाओं का



उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य देशभर में आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार के साधनों और सामुदायिक बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। पीएम मोदी ने 173 परियोजनाओं का उद्घाटन किया-प्रधानमंत्री ने 173 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें आदिवासी छात्रों के लिए 38 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल (EMRS) और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत बनाए गए 100 बहुउद्देशीय केंद्र शामिल हैं। ये केंद्र सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने और सामुदायिक गतिविधियों के संचालन में मदद करेंगे।इसके अलावा प्रधानमंत्री ने पीएम-जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कई अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने न तो आदिवासी समुदायों को समझा और न ही उनकी परवाह की। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के आदिवासी समुदाय के लोगों से बातचीत करते हुए यह बात कही। यह कार्यक्रम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के मौके पर आयोजित किया गया।इस दौरान आदिवासी समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री को बताया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से उन्हें किस तरह फायदा मिला है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के भरूच जिले की नेत्रंग तहसील के हथाकुंडी गांव के वजीर से गुजरात सरकार की न्यू गुजरात पैटर्न योजना को लेकर बातचीत की। उन्होंने वजीर से पूछा कि आदिवासी समुदाय को पहले किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता था और इस योजना से उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आया है। वजीर ने कहा, %2004 में मुझे गुजरात सरकार की न्यू गुजरात पैटर्न योजना के तहत ट्रेनिंग मिली थी। इसमें मुझे बांस से चीजें बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। मुझे पीएम-जनमन के तहत कई अन्य योजनाओं का भी लाभ मिला है। मैं आपका, गुजरात सरकार और आपके नेतृत्व वाली भारत सरकार का दिल से धन्यवाद करता हूं। इस पर पिछली यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, वजीर जी, आपको पता होगा कि अंग्रेजों ने एक बड़ी चाल चलते हुए बांस को पेड़ की श्रेणी में रख दिया था। इसके कारण जो भी बांस काटता था, उसे जेल में डाल दिया जाता था। आजादी के बाद इस कानून को खत्म कर देना चाहिए था। लेकिन अफसोस की बात है कि पिछली सरकारों में कुछ लोगों ने न तो आदिवासी समुदायों को समझा और न ही उनकी परवाह की। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जब हमारी सरकार सत्ता में आई, तो हमने इस कानून को खत्म कर दिया और यह सुनिश्चित किया कि आदिवासियों को बांस पर पूरा अधिकार मिले।% महाराष्ट्र के यवतमाल के रहने वाले और पीएम-जनमन योजना के लाभार्थी कृष्णा नागोराव टेका ने भी प्रधानमंत्री से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, पहले हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। बारिश के मौसम में हमारे घर में रहना बहुत मुश्किल हो जाता था। कीड़े-मकोड़ों की वजह से भी परेशानी होती थी। लेकिन अब पीएम-जनमन योजना के तहत हमें पक्का घर, शौचालय और दूसरी सुविधाएं मिली हैं। अब हमें उन परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। इसके लिए हम आपके बहुत आभारी हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि पीएम-जनमन मिशन से आपकी और आपके गांव के लोगों की जिंदगी में बदलाव आया है। इससे ज्यादा संतोष मुझे किसी और बात से नहीं मिल सकता। जैसा कि आपने बताया, आपके गांव तक सभी सुविधाएं पहुंच गई हैं और वहां के लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़े हुए हैं। हैदराबाद के सबावत अन्वेष ने भी प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पीएम श्री स्कूल (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना शुरू करने से लोगों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिल रही है।उद्घाटन की गई प्रमुख परियोजनाओं में अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में जनजातीय अनुसंधान संस्थान की इमारत और मिजोरम के आइजोल में रोपुइलियानी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय शामिल हैं। इनका उद्देश्य आदिवासी संस्कृति और विरासत को सुरक्षित रखना है। इसके अलावा उन्होंने आदिवासी उत्पादकों को बाजार तक बेहतर पहुंच दिलाने के लिए 12 जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्रों की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने पीएम-जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 42 अन्य परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

संक्षिप्त समाचार

यूपी के मंत्री की सगाईः संदीप सिंह ने मेघना, सौरभ ने अंतरा को पहनाई सगाई की अंगूठी; सीएम योगी ने दिया आशीर्वाद

यूपी के मंत्री संदीप सिंह ने मेघना और उनके भाई सौरभ ने अंतरा त्यागी को सगाई की अंगूठी पहनाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों भाइयों और उनकी मंगेतरों को आशीर्वाद देकर नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने संदीप सिंह को एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) का उपहार बैग भी भेंट किया।` (राजवीर सिंह राजू) अपनी धर्मपत्नी के दबाव में सभी लोगों को निमंत्रण पत्र बांटे हैं। आपके साथ मुझे भी दावत मिल गई है।उन्होंने कहा कि संदीप सिंह सरकार में मंत्री हैं, इसलिए उन्होंने मुझे पहले ही निमंत्रण दे दिया था। करीब तीन मिनट के संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि शाम चार बजे आने पर उन्होंने सोचा था कि भीड़ कम हो गई होगी

25 लाख युवाओं को दिए जाएंगे टैबलेटः सीएम योगी ने शुरू किया महाअभियान, बोले- आप सबमें बजरंग बली की ताकत है

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल से %स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना% के तहत 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके लिए बजट में 2,374.60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। टैबलेट मिलने से छात्रों को एआई, कोडिंग, डिजिटल लाइब्रेरी और %युवा साथी पोर्टल% के माध्यम से रोजगार व प्रशिक्षण के अवसर मिल सकेंगे।यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश सबसे युवा



है और इस पर भी उत्तर प्रदेश सबसे युवा प्रदेश है। युवा मतलब शक्ति। आप सब अभी 15 से 35 वर्ष की उम्र के बीच हैं। आप सबमें बजरंग बली की ताकत है। ये वो दौर है जब असंभव जैसा शब्द आपके शब्दकोश में नहीं है। जब महारानी लक्ष्मीबाई ने ब्रिटिश हुकूमत से लड़ाई लड़ी थी तब उनकी उम्र केवल 26 साल थी। महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को 26 वर्ष की उम्र में दो बार आजीवन कारावास की सजा हुई थी और जब महाराणा प्रताप ने अकबर से पहली बार युद्ध लड़ा था। उस समय उनकी उम्र मात्र 27 साल की थी। स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर भारत को एक नई पहचान दी।जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लखनऊ मंडल के लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के 300 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के 50 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं और प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन टैबलेट में इन्फोसिस के सहयोग से 18 हजार से अधिक पाठ्यक्रमों की निशुल्क अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। योग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीप टेक जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई के साथ युवाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है।

बुजुर्गों ने 400 साल नमाज पढ़ी, ओवैसी ने सपा मुखिया पर बोला हमला

मेरठ के नौचंदी मैदान में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा की। ओवैसी ने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं। मगर सहारनपुर में मस्जिद तोड़ी गई, वहां नहीं गए। जबकि चंद्रशेखर नमाज को लेकर मुस्लिमों के साथ खड़े हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नौचंदी मैदान में जनसभा की। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलाउन्होंने कहा कि एक तरफ अखिलेश यादव हैं, जो सहारनपुर में मस्जिद शहीद होने और श्रावस्ती व बहराइच में मदरसे तोड़े जाने पर वहां नहीं गए, लेकिन अब वहां जाने वाले हैं, जहां हमारे बुजुर्गों ने 400 साल नमाज पढ़ी थी। दूसरी तरफ, चंद्रशेखर आजाद हैं, जो ईद की नमाज से रोके जाने पर मुस्लिमों के लिए वहां खड़े हो जाते हैं और लोग नमाज अदा करते हैं। अब अवाम को तय करना है कि उन्हें अखिलेश यादव को चुनना है या चंद्रशेखर आजाद को।आजाद समाज पार्टी (आसपा) से गठबंधन के बाद



उत्तर प्रदेश में अपनी इस पहली रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि अब हम किसी के सामने सिर नहीं झुकाएंगे और न ही दरी बिछाएंगे। उन्हें उम्मीद है कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा से सूबे के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर आजाद बनेंगे। ओवैसी ने कहा कि यदि कांग्रेस और सपा चाहें, तो वे भी उनके गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। बताया कि किसी इमरजेंसी की वजह से चंद्रशेखर आजाद रैली में नहीं आ सके, उनकी जगह भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह रैली में पहुंचे और मंच साझा किया। आजाद समाज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना के सांसद चंद्रशेखर के ससुर वीरेंद्र सिंह (72) का बीमारी के चलते शनिवार सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भोपा बस स्टैंड स्थित श्मशान घाट पर किया गया। आसपा अध्यक्ष अंतिम संस्कार में शामिल हुए। आजाद समाज पार्टी के मीडिया प्रभारी दीपक राणा ने बताया कि वीरेंद्र सिंह मूल रूप से जनपद के गांव कुटबा के निवासी थे। बताया कि वह काफी दिनों से सुभाषनगर रेलवे फाटक के सामने स्थित आवास पर रह रहे थे। पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था।बताया कि बीमारी के चलते शनिवार को उनका निधन हो गया। भोपा स्टैंड के समीप स्थित श्मशान घाट पर उनके शव को बड़े बेटे सचिन ने मुखाग्नि दी। बताया कि परिवार में पत्नी और एक बेटा एवं बेटी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कमल वालिया, भीम आर्मी राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उपकार बावरा शामिल रहे।

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की दी बधाई, भोजपुरी में जारी किया वीडियो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोजपुरी में वीडियो जारी कर प्रदेशवासियों को महापर्व छठ की शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने छठी मइया से सभी की मनोकामना पूरी करने की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ महापर्व पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए शुभकामना संदेश जारी किया है। सीएम योगी ने जारी किए गए वीडियो में भोजपुरी में प्रदेशवासियों को संबोधित



किया।उन्होंने एक्स पर कहा कि पूर्वांचल, बिहार आ देश-दुनिया में रहत सभे परिवार के छठ महापर्व के बहुत-बहुत बधाई।जय छठी मइया जय भगवान सूर्यदेव...।

200 मूर्तियां तोड़ीं, 26 हजार स्कूल बंद किए... आगरा में दलित सम्मेलन से अखिलेश का भाजपा पर बड़ा हमला

आगरा के जीआईसी मैदान में दलित सम्मेलन को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने PDA आंदोलन की शुरुआत का ऐलान किया और भाजपा सरकार पर दलित उत्पीड़न, आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ने तथा 26 हजार स्कूल बंद करने के आरोप लगाए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आगरा के जीआईसी मैदान में आयोजित दलित सम्मेलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आगरा से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक)



आंदोलन की शुरुआत हो रही है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस दलित सम्मेलन में उमड़ा जनसमर्थन पूरे देश का समर्थन प्रतीत हो रहा है। यह ऐतिहासिक जनसमर्थन पीडीए की ताकत को दर्शा रहा है और अब पीडीए में दमदार दलितों की उपस्थिति दिखाई देगी।अखिलेश यादव ने अंगद के पैर वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग कह रहे थे कि यह अंगद का पैर है और आगरा के इस सम्मेलन के बाद उनकी जमीन खिसक जाएगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जमीन ही नहीं बचेगी तो अंगद का पैर कहां रखोगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग गली-गली में पीडीए की परिभाषा बदलने की बहस चला रहे हैं, लेकिन दलितों का जनसमर्थन यह स्पष्ट कर रहा है कि अब दलित समाज दमदार हो चुका है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के पिछले दस वर्षों के कार्यकाल में भेदभाव हुआ है और प्रदेश में दलित उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि दलितों के खिलाफ सबसे ज्यादा अन्याय उत्तर प्रदेश में हुआ है।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 200 मूर्तियां तोड़ी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि संविधान रहेगा तभी सम्मान, अधिकार और लोकतंत्र बचेगा।अखिलेश यादव ने पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं को लेकर भी भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग परीक्षाओं के पेपर लीक करा रहे हैं और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा परीक्षाएं लीक हुई हैं।

संपादकीय Editorial

Sonia's 'Political Script'

A political autobiography can never be a story of personal memories, events, or relationships. It must also reveal the political environment, detail political dynamics, and provide numerous clarifications and even political denials. Sonia Gandhi's autobiography, "Belonging: A Journey of Love," falls into this category. She served as the longest-serving Congress president. She also held the top leadership during a period when the country's mandate was not given to the BJP, the party of Prime Minister Atal Bihari Vajpayee and Deputy Prime Minister Lal Krishna Advani. Congress emerged as the largest party with 145 seats. Sonia Gandhi and the prime ministership were the most significant political events of that era. Sonia arrived in India at the young age of 21, married Rajiv Gandhi, and became the daughter-in-law of then-Prime Minister Indira Gandhi. For a foreigner, that period must have been fraught with numerous tensions, pressures, influences, and restrictions. The country has no concern with Sonia Gandhi's privacy. However, when Prime Minister Indira Gandhi was assassinated in her own home by her own security personnel, and later, in May 1991, Sonia's husband and former Prime Minister Rajiv Gandhi was murdered at a public rally in Tamil Nadu, what would have been the state of mind of a daughter-in-law after such tragedies? An unseen, unspoken fear must have gripped the family! Sonia Gandhi has written poignantly about those times and times. We can ignore events like the 1975 Emergency and the 1984 anti-Sikh riots, as Sonia Gandhi could not have known about the timing of many secret meetings, sensitive discussions, and decisions during those times. She must have observed the body language, mood, and reactions of her mother-in-law and then-Prime Minister Indira Gandhi, and therefore, she has commented based on those perspectives. In fact, Sonia Gandhi was at the pinnacle of power and politics in the country between 2004 and May 2014, marking the peak of her political career and script. Congress won 145 seats, while the BJP won 138. Both were far short of a majority. Sonia Gandhi then formed the UPA coalition with the Left, the Samajwadi Party (SP), the RJD, and the DMK, and it ruled the country for 10 years. Sonia Gandhi could never have become Prime Minister because President Dr. APJ Abdul Kalam had made it clear that he would not swear her in as Prime Minister because she was a "foreigner." The President also cited certain provisions of the Constitution. APJ Abdul Kalam has also mentioned this incident in one of his books. Furthermore, SP President Mulayam Singh Yadav and NCP President Sharad Pawar also met with the President and strongly opposed Sonia's "potential Prime Ministership." We covered and reported on every development during that period. Choosing Dr. Manmohan Singh as Prime Minister was a political compulsion for Sonia Gandhi, as he seemed to be the "most loyal" face. The economic reforms he implemented in the country had shown "magical changes" in the economy. Rahul and Priyanka Gandhi must have been upset that Sonia Gandhi had said, "Okay, I'll think about it," in a meeting. The family's story may be private, but we have already explained the basic reasons. In fact, some of Sonia Gandhi's revelations about the Prime Ministership are "half-truths." The book also contains factual inaccuracies. She has neither written nor shed.

Hope for Women's Reservation

The government is indicating that it will include a proposal to increase the number of seats in all states by 50 percent as part of the bill, which could enable it to successfully pass the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill. A special session is likely to address the Women's Reservation and Delimitation Bills.

The proposal to increase the number of seats is expected to be implemented before 2029. The fragmentation within opposition parties is likely to help pass the bill. The failure to adjourn the monsoon session of Parliament even after three months has fueled speculation that the government may call a special session at any time to try to pass the Delimitation Bill along with the bill amending the law implementing women's reservation. This possibility now appears to be increasing. One reason for this is the imminent assembly elections in five states, and the Nari Shakti Vandan Act, which provides for women's reservation, can only be implemented before 2029 without waiting for the results of the new census.

This Act provided that women's reservation would be implemented after delimitation based on the new census. However, due to the delay in the census due to the COVID pandemic, implementing 33 percent women's reservation in the Lok Sabha and Legislative Assemblies is impossible before 2029. To make this possible, the government convened a special session a few months ago and attempted to pass the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill, but failed due to the opposition's non-cooperation.

However, to appease the opposition, the government proposed increasing the seats in all states by 50 percent, so that each state's representation percentage in the Lok Sabha remains the same and all parties' commitment to implementing women's reservation is fulfilled. The opposition did not approve of this unwritten proposal.

Since the government is now indicating that it will include the proposal to increase the seats in all states by 50 percent as part of the bill, it may be successful in passing the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill. One reason for this is the fragmentation and disintegration within the opposition alliance. While 20 Lok Sabha members of the Trinamool Congress have defected, eight Rajya Sabha members of the Aam Aadmi Party have also joined the BJP.

In addition, the DMK has left the opposition alliance and sees no flaws in the government's initiative to increase the number of Lok Sabha seats in all states to 50 or 33 percent, nor any political harm to Tamil Nadu. The proposal for 33 percent seats instead of 50 percent may be acceptable to everyone because the number of seats under women's reservation is only that much.

In any case, opposition parties should not forget that the Mahila Shakti Vandan Act was passed almost unanimously by both houses of Parliament in 2023. Consequently, it is theal responsibility of opposition parties to step forward to fulfill their commitment to half the country's population.

Chhath teaches us to recognize our roots.



Chhath, along with offering oblations to the Sun, also reminds us of our responsibility to protect nature, without which our existence is impossible. It is a grand festival of gratitude to nature and sun worship. It conveys the message of social equality, self-discipline, and a connection to our roots. It emphasizes environmental protection and the need for a 'Green Chhath'. Some festivals are recorded on calendars, some in memories, and some in the collective consciousness of humanity. Chhath is one such festival. It is not merely a religious ritual, but a wonderful Indian tradition of gratitude to nature, self-discipline, social equality, and a connection to our roots. Originating from the Terai regions of Bihar, Jharkhand, eastern Uttar Pradesh, and Nepal, Chhath has now reached many parts of the country and the world. No matter how long its geographical journey, its essence remains connected to the same soil, river, pond, and family where this folk tradition took shape. Chhath is essentially a festival of sun worship. For us, the Sun is not just a shining celestial body in the sky, but a direct source of life and energy. From light, heat, and the agricultural cycle to the continuation of life on Earth, the very existence of our civilization is deeply connected to the Sun. Therefore, offering Arghya to the Sun during Chhath is an expression of gratitude to the nature on which our lives depend.

One of the most significant characteristics of Chhath is gratitude. Modern life has taught us the language of rights, but the language of duties and gratitude is being left behind. Chhath reminds us that humans are not masters of nature, but part of it. Expressing gratitude to the Sun, which provides energy, the water that sustains life, the soil that produces food, fruits, and vegetables, and the farmers whose hard work brings them to us, is also part of civilization. Perhaps this is why nature itself becomes the object of worship during Chhath. The artisans who make soup and daura, the farmers who grow fruits, and small vendors — all become integral parts of the social fabric of this festival. The importance of local and seasonal fruits in the Prasad conveys a message completely different from consumerist display.

Chhath teaches us that the purity of worship lies in emotion, effort, and purity. Another wonderful aspect of this festival is equality. There are no VIPs at the Chhath ghats. Every person is equal before the sun. Whether man or woman, wealthy or ordinary, urban or rural, everyone is identified solely as a fasting person and a devotee. Another message of Chhath is to offer arghya to the setting sun. Our social mindset often celebrates only success, power, and achievement. In contrast, Chhath teaches us to have as much reverence for the setting sun as for the rising sun. It is a philosophy of accepting the ups and downs of life. Remaining humble in success and maintaining dignity even in decline is especially relevant in today's competitive society. Chhath is also a unique example of self-discipline. The nearly 36-hour fast without water, cleanliness, purity, and restraint do not limit it to mere worship, but become a practice of disciplining the body and mind.

The power of Chhath is not limited to the ghats alone. It connects family, neighborhood, and, most importantly, a person who has migrated thousands of kilometers in search of livelihood to their roots. For millions living in Delhi, Mumbai, Surat, Bengaluru, Pune, Hyderabad, or abroad, Chhath is an emotional invitation to return home. For some, it's the desire to receive prasad from their mother's hands, for others, the longing to return to the ghats of their childhood, and for others, the hope of seeing their children after months. But in modern times, Chhath also poses an important question: are we protecting the rivers, ponds, and nature we worship with the same devotion? If we stand on the banks of the Ganges, offer prayers to the Sun, and then throw plastic, polythene, or puja materials into the same waters, our faith is incomplete. The fundamental philosophy of Chhath is cleanliness and respect for nature. Therefore, today, there is a need for collective efforts to make Chhath a green and zero-waste festival.

Today, when humans are becoming increasingly distant from nature in the fast-paced pursuit of technology and consumption, Chhath brings us back to the banks of a river or another water source. There's no grand stage, no need for show. A bowl is in hand, some fruit in it, water is in front, and the sun is on the horizon. In that moment, humanity stands before the very sources of its existence and says, "Thank you." Perhaps this is the greatest power of Chhath. It teaches us not only to worship, but also to be grateful.

It teaches us not only to return home, but also to recognize our roots. It teaches us not only to offer obeisance to the sun, but also to remind us of the responsibility to protect nature, without which our existence is impossible. To call Chhath the cultural identity of a particular region would be to limit its vast meaning. It is a folk festival of Indian philosophy, in which faith, science, tradition, modernity, the individual, society, and nature all come together and stand on the same ghat.

कुंदरकी में 4.05 करोड़ से बनेंगे तीन संपर्क मार्ग, विधायक ने किया भूमि पूजन

विधायक रामवीर सिंह ने शनिवार को कुंदरकी ब्लॉक में 4 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तीन संपर्क मार्गों का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया।

क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए शनिवार को विधायक रामवीर सिंह ने कुंदरकी ब्लॉक में 4 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तीन संपर्क मार्गों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इनमें चन्दौसी मार्ग पर नर्सरी के पास से राज फार्म हाउस होते हुए नूरपुर की मिलक तक 1.10 किलोमीटर मार्ग (133.21 लाख रुपये), ग्राम नानपुर में भूकन के घर से कुंदरकी-बिलारी हाईवे तक एक किलोमीटर मार्ग (137.37 लाख रुपये) और ग्राम उदयपुर चंदन में जूनियर हाईस्कूल से बसेरा खास पीडब्ल्यूडी मार्ग तक एक किलोमीटर सड़क (134.49 लाख रुपये) शामिल है। तीनों मार्गों की कुल लंबाई 3.10 किलोमीटर है। इस मौके पर विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। इन संपर्क मार्गों के बनने से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कोई भी गांव विकास से अछूता नहीं रहेगा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, जिला मंत्री ज्योति वाल्मीकि, ब्रजेश लोधी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह रैदास, शोएब खान, विजेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसिक मरीजों के पर्चे पर अब चौबीसों घंटे का हेल्पलाइन नंबर, परेशानी होते ही मिलाएं कॉल

मुरादाबाद के मंडलीय जिला अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने मरीजों को टेली-मानस हेल्पलाइन की जानकारी देने की पहल की है।

अब मरीजों के पर्चों पर 14416 नंबर की मुहर लगाई जा रही है।अत्यधिक मानसिक अवसाद एवं तनाव से पीड़ित तमाम लोगों में आत्महत्या कर लेने के सामने आते ख्याल से जुड़े मामले बढ़ने के बीच राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मुरादाबाद में मानसिक बीमारियों का इलाज शुरू कराने वाले मरीजों को चौबीसों घंटे हेल्पलाइन सेवा के बारे में अवगत कराने को खास पहल की गई है।

कार्यक्रम के तहत मंडलीय जिला अस्पताल में संचालित हो रहे मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ पर मरीजों का पर्चा हेल्पलाइन नंबर की मुहर लगाकर बनाना शुरू किया गया है।

इस व्यवस्था से मरीजों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित की जा रही टेली मानस हेल्पलाइन की जानकारी हो सकेगी।राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकोष्ठ पर कार्यरत साइकैट्रिक सोशल वर्कर एसके शर्मा ने बताया कि मानसिक बीमारी एवं अवसाद से पीड़ित कई मरीज मन में बार-बार आत्महत्या कर लेने का ख्याल उठने की परेशानी को साझा कर रहे हैं।

ऐसे सभी मरीजों को पर्चे पर हेल्पलाइन नंबर की मुहर लगाने के साथ ही उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि वह चौबीसों घंटों में किसी भी समय आधी रात को भी आत्महत्या कर लेने का विचार मन में आने पर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करते हैं। यह नंबर 14416 टोल फ्री होने के कारण कॉल का कोई शुल्क भी नहीं लगेगा। जिन मरीजों के पास स्मार्ट फोन है वे टेली मानस एप को डाउनलोड कर सकते हैं जिसके माध्यम से उन्हें हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इस एप पर मानसिक तनाव आदि परेशानियों के समाधान के बारे में भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी।

निर्यातकों ने डॉलर के उतार चढ़ाव पर जमा दी निगाह, ऊपर चढ़ते ही कराएंगे फ्रीज

विदेशी खरीदारों से ऑर्डर बुक और कन्फर्म होने के बीच डॉलर की कीमत में एक से दो रुपए की गिरावट से शहर के कई हस्तशिल्प निर्यातकों को झटका लगा है।

शहर के कई हस्तशिल्प निर्यातकों को विदेशी खरीदारों की तरफ से बिजनेस ऑर्डर बुक और कन्फर्म कराए जाने की काफी तेजी से चल रही प्रक्रिया के बीच डॉलर की कीमत एकाएक थोड़ी कम हो जाने का झटका लगा है। ये निर्यातक काफी समय से डॉलर की चढ़ी हुई कीमत को पेमेंट के समय के लिए फ्रीज कराने का मन बनाए हुए थे,

लेकिन, वह किन्हीं कारणोंवश यह फ्रीजिंग नहीं करा सके। ऐसे निर्यातकों ने अब डॉलर की कीमत में उतार चढ़ाव पर अपनी निगाह जमा ली है कीमत ऊपर चढ़ते ही वह इसे फ्रीज करा देंगे। कुछ अरसा पूर्व तक डॉलर की कीमत 95 रुपए बनी हुई थी शहर के निर्यातक इसे अधिकतम कीमत मानकर माल का एक्सपोर्ट करने के बाद पेमेंट के समय के लिए इसे फ्रीज कराने की जरूरत महसूस कर रहे थे। कई निर्यातकों ने इस कीमत को फ्रीज करा लिया लेकिन, काफी संख्या में निर्यातक इसके बारे में सोचते ही रह गए और अब डॉलर एक से दो रुपए तक नीचे लुढ़क गया। निर्यातकों का कहना है कि शिप हुए माल के पेमेंट के समय डॉलर की कीमत बुकिंग के वक्त की तुलना में अधिक होना निर्यातकों का मुनाफा बढ़ने और कीमत कम होने पर मुनाफे के घट जाने का कारण बन जाता है। कीमत फ्रीज कराने पर निर्यातकों को उसी दर पर विदेशी विनिमय प्राप्त होता है जो डॉलर को फ्रीज कराने के समय थी।डॉलर की कीमत में उतार-चढ़ाव पर निर्यातकों की नजर

जो निर्यातक डॉलर को अभी फ्रीज नहीं करा सके हैं उन्हें ज्यादा परेशान होने की जरूरत भी नहीं है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय हालातों में उतार चढ़ाव के बीच डॉलर की कीमत किसी समय 95 रुपए से अधिक होकर सौ रुपए तक भी पहुंच सकती है। निर्यातक उस वक्त इसे फ्रीज करा सकते हैं।

बिना किसी गलती के फ्रीज हो गया है आपका बैंक अकाउंट?

हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब आसानी से खुलेगा खाता

साइबर ठगी के कारण निर्दोष खाताधारकों के बैंक खाते फ्रीज होने की समस्या अब आसान होगी। लखनऊ हाईकोर्ट के निर्देश के बाद, गृह मंत्रालय के जीआरएम पोर्टल के जरिए वैध लेनदेन का प्रमाण देकर खाते अनफ्रीज कराए जा सकते हैं।निर्दोष साइबर क्राइम थाने में देना होगा प्रार्थना और पत्नी संजय के पास 22 अगस्त 2026 को कि उनका बैंक खाता डिजिटल अरेस्ट से जुड़े तीन जुलाई को 1.70 लाख रुपये जमा होने का साइबर क्राइम थाने में की। पुलिस ने उनकी अनफ्रीज नहीं हो सका है। इसी तरह टांडा के माह पहले किसी ग्राहक ने यूपीआइ से पेमेंट इस्तेमाल किया गया था। इस कारण से उनका बैंक और पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। ऐसे मिलेगी। खंडपीठ ने साइबर ठगी के मामलों में सचिव व प्रमुख सचिव को निर्देशित किया है समाधान तलाशें। जिले में भी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जिनके बैंक खातों का साइबर ठगी में इस्तेमाल किया गया और उन्हें इसकी जानकारी खाता फ्रीज होने या पुलिस द्वारा नोटिस आने पर हुई। जिले में दो साल में 150 से अधिक लोगों के बैंक खातों का गलत इस्तेमाल किया गया। इन खातों में करीब 80 लाख रुपये का लेनदेन किया गया। इनमें ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी। ऐसे लोगों का बैंक खाता फ्रीज होने पर उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता हैखासकर जब वे कारोबारी हों तो उनकी परेशानी और भी बढ़ जाती है। खाते में पड़ी रकम का लेनदेन नहीं किया जाता है। साइबर क्राइम के नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि निर्दोष व्यक्ति का खाता अनफ्रीज कराने की प्रक्रिया है। इसके लिए खाताधारक गृह मंत्रालय के जीआरएम (शिकायत निवारण माड्यूल) पोर्टल की मदद से बैंक मैनेजर और जांच अधिकारी के सामने अपने वैध लेनदेन का प्रमाण दे सकते हैं। जांच के बाद एनओसी मिलने पर खाता चालू हो जाता है। हालांकि खाते में साइबर अपराध से आए पैसे को होल्ड कर दिया जाता है। उसका खाताधारक इस्तेमाल नहीं कर सकता है।



खाताधारकों के लिए आसान हुई फ्रीज खाते खुलवाने की राह, जरूरी दस्तावेज पसियापुरा जनूबी गांव की रहने वाली मधु महाराष्ट्र पुलिस की ओर से नोटिस मिला, जिसमें बताया गया साइबर अपराध में इस्तेमाल किया गया है। उनके बैंक खाते में उल्लेख था। नोटिस पर वह घबरा गईं। उन्होंने इसकी शिकायत शिकायत पर कार्रवाई तो कर दी, लेकिन अभी उनका खाता रहने वाले अबरार बिरयानी बेचते हैं। उनका कहना है कि एक किया, जिस खाते से पेमेंट किया गया, वह साइबर अपराध में खाता फ्रीज हो गया।अब वह भी खाता अनफ्रीज कराने के लिए लोगों को अब हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के आदेश से राहत बैंक खाते फ्रीज रखने को लेकर गृह विभाग के अपर मुख्य कि खाते लंबे समय तक फ्रीज रखना ठीक नहीं है, इसका

मुरादाबाद नगर निगम में जूनियर के अधीन काम करेंगी सीनियर आईएएस मंजूलता, तबादले पर चर्चा तेज

2016 बैच की आईएएस मंजूलता को मुरादाबाद नगर निगम में अपर नगर आयुक्त बनाया गया है। उनकी वरिष्ठता मौजूदा नगर आयुक्त हिमांशु कौशिक (2018 बैच) से अधिक बताई जा रही है। ऐसे में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के कनिष्ठ नगर आयुक्त के अधीन काम करने को लेकर प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है।

आगरा की अपर आयुक्त रहीं आईएएस मंजूलता की मुरादाबाद नगर निगम में अपर नगर आयुक्त के पद पर तबादला इन दिनों चर्चाओं में है। आगरा मंडल में अपर आयुक्त रहीं आईएएस मंजूलता को मुरादाबाद नगर निगम में अपर नगर आयुक्त बनाया गया है।



खास बात यह है कि उनकी आईएएस वरिष्ठता मौजूदा नगर आयुक्त हिमांशु कौशिक से अधिक बताई जा रही है। ऐसे में नगर निगम में पहली बार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को कनिष्ठ आईएएस नगर आयुक्त के अधीन काम करना पड़ सकता है।अधिकारियों का कहना है कि ऐसा बहुत देखने को मिलता है जब कोई सीनियर आईएएस जूनियर के अधीन में काम करे। शुक्रवार की रात शासन स्तर से 38 आईएएस के तबादलों की सूची जारी की गई। इसमें मुरादाबाद नगर निगम में तैनात अपर नगर आयुक्त के पद पर तैनात आईएएस अतुल कुमार का भी नाम शामिल हैं।

उन्हें अपर आयुक्त बरेली मंडल बनाया गया है। उनकी जगह आईएएस मंजूलता की तैनाती नगर निगम में की गई है। उन्हें अपर नगर आयुक्त बनाया गया है। उनकी यह तैनाती मुरादाबाद से लखनऊ तक प्रशासनिक अधिकारियों के बीच चर्चा में बनी है।

बताया जाता है कि मंजूलता पीसीएस से पदोन्नति पाकर आईएएस बनीं हैं। वह 2016 बैच की आईएएस हैं। वह अपर आयुक्त आगरा मंडल के पद पर तैनात थीं। पीसीएस के तौर पर कई जिलों में उन्होंने जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं।

दूसरी ओर मुरादाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त हिमांशु कौशिक 2018 बैच के आईएएस हैं। 22 सितंबर को उनकी तैनाती मुरादाबाद नगर आयुक्त के पद पर हुई थी। इससे पहले वह यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पद पर तैनात थे।ऐसे में नगर निगम में जूनियर आईएएस के अधीन सीनियर आईएएस को काम करना पड़ेगा। अधिकारियों के बीच इसी बात की चर्चा ज्यादा हो रही है। हालांकि कुछ अधिकारी इसे टाइपिंग गलती मान रहे हैं। नगर आयुक्त हिमांशु कौशिक ने इस बारे में कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया है। अधिकारियों की तैनाती और तबादले शासन स्तर से होते हैं। ऐसे में इस बारे में कुछ कहना उचित नहीं है। - अनुनय झा, डीएमअतुल कुमार इस साल सितंबर में बने आईएएस, मुरादाबाद नगर में तैनात रहे अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार पीसीएस से आईएएस बने हैं। इस साल 21 सितंबर आईएएस बन गए। आईएएस बनने के बाद वह करीब दो महीने नगर निगम में अपर नगर आयुक्त के पद पर बने रहे।

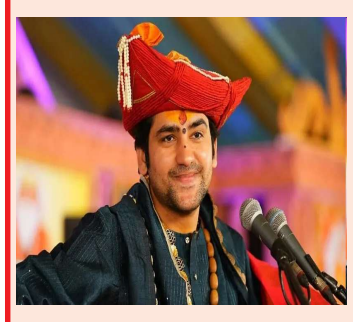
संक्षिप्त समाचार

छठ की भीड़ वापसी को लेकर चलेंगी पांच और फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें, मुरादाबाद रूट से होगा संचालन

रेलवे ने त्योहारों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पांच स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें मुरादाबाद होकर गुजरेंगी।त्योहारों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के लिए विशेष ट्रेनें। पांच स्पेशल ट्रेनें मुरादाबाद रूट से होकर गुजरेंगी। बिहार, पूर्वांचल, पंजाब यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत।त्योहारों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पांच स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें मुरादाबाद होकर गुजरेंगी। इनके संचालन से बिहार, पूर्वांचल और पंजाब की ओर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, वाराणसी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 04229 एक तरफा आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 15 नवंबर को वाराणसी से चलेगी। यह 16 नवंबर की रात 1:27 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05748 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर एक तरफा अनारक्षित स्पेशल 16 नवंबर को चलेगी। यह 18 नवंबर को सुबह 9:25 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी और 9:35 बजे रवाना होगी। इसी तरह कटिहार-लुधियाना एक तरफा स्पेशल ट्रेन संख्या 05750 का संचालन 16 नवंबर को होगा। यह 17 नवंबर को दोपहर 2:50 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी।गोरखपुर-दिल्ली स्पेशल ट्रेन संख्या 05113 का संचालन 17 नवंबर को गोरखपुर से होगा। यह 18 नवंबर की रात 2:05 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05114 दिल्ली से 18 नवंबर को चलेगी और 19 नवंबर को सुबह 11:15 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी।इसके अलावा सहरसा-अमृतसर पूजा स्पेशल ट्रेन संख्या 05517 का संचालन 18 नवंबर को सहरसा से होगा। यह 19 नवंबर को सुबह 11 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। वापसी में अमृतसर-सहरसा ट्रेन संख्या 05518 का संचालन 20 नवंबर को होगा। यह मुरादाबाद से दोपहर 1:45 बजे गुजरेगी। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री के टिप्पणी मामले में कोर्ट में परिवाद दायर

करवा चौथ के व्रत तथा भगवान राम व श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ रामपुर न्यायालय में परिवाद दायर किया गया है। उन पर करवा चौथ के व्रत और भगवान राम व श्रीकृष्ण को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है।बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ रामपुर न्यायालय में परिवाद दायर किया गया है। उन पर करवा चौथ के व्रत और भगवान राम व श्रीकृष्ण को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। तीन अधिवक्ताओं ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। न्यायालय में परिवाद दायर करने वाले तीनों अधिवक्ताओं के 30 नवंबर को बयान दर्ज होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता राम सिंह लोधी, महिला अधिवक्ता सुनीता वर्मा और वरिष्ठ अधिवक्ता हर्ष गुप्ता ने सिविल जज त्वरित न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि 26 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने करवा चौथ के निर्जल व्रत पर टिप्पणी की थी।आरोप लगाया कि 29 अक्टूबर की कथा में भगवान राम और भगवान कृष्ण के स्वरूप, नाम और आचरण को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। अधिवक्ताओं का कहना है कि वे सनातन धर्म के अनुयायी हैं। इन बयानों को देखने-सुनने के बाद उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। कोर्ट ने उनके बयान दर्ज करने के लिए 30 नवंबर नियत की है।



हरिद्वार के धनीराम ने कलियर शरीफ के फकीर बाबा को हराया

बिलासपुर। विजयनगर पिपलिया गांव स्थित प्राचीन श्री सिद्ध बाबा मंदिर पर चल रहे मेले में शनिवार को आयोजित दंगल ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। दूर-दूर से आए नामी पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए।पहली कुश्ती हरिद्वार के धनीराम पहलवान और कलियर शरीफ के फकीर बाबा पहलवान के बीच हुई। मात्र 15 मिनट चली इस कुश्ती में दोनों पहलवानों ने जबरदस्त फुर्ती और दांवपेच दिखाए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिप्टी सीएम ने मेधावियों को किया सम्मानित, बोले- प्रतिभाएं समाज और देश की असली पूंजी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)एमएलसी बहोरन मौर्य की ओर से रविवार को एमबी इंटर कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले मेधावियों को सम्मानित किया। इनमें रुहेलखंड विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ नेट उत्तीर्ण, पीएचडी धारक, विभिन्न विषयों में गोल्ड मेडल हासिल करने वाले और सरकारी पदों पर चयनित प्रतिभाएं शामिल रहीं। समारोह में डेफ (मूक-बधिर) एथलीट और विशेष खिलाड़ी रिदम शर्मा, दीपिका मौर्य को एमटेक कंप्यूटर साइंस में सिल्वर मेडल और नेट 2026 उत्तीर्ण करने, भूमिका मौर्य को एमटेक कंप्यूटर साइंस में गोल्ड मेडल, सुरेंद्र पाल मौर्य को एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स में नेट उत्तीर्ण करने और सोनू कुमार कुशवाहा को अंग्रेजी विषय में नेट उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया। डॉ. विनय कुमार मौर्य को कंप्यूटर साइंस में पीएचडी, डॉ. विशेष भरत गंगवार को केमिस्ट्री में पीएचडी की उपलब्धि पर सम्मान मिला।

इसके अलावा रेखा मौर्य को एमएससी जूलॉजी, उदिता सक्सेना और स्वाति गंगवार को बीएससी माइक्रोबायोलॉजी, सजल सक्सेना को बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, शालिनी यादव को एमएससी गृह विज्ञान, यशी भारद्वाज को एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, यामिनी चौहान को बीएससी गृह विज्ञान और अमृता पटेल को एमएससी केमिस्ट्री में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। प्रियांशी पुष्पक को बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल हासिल करने पर सम्मान मिला।

वहीं, हर्ष शाक्य का गणित प्रवक्ता और हेमराज मौर्य का अंग्रेजी प्रवक्ता पद पर चयन होने तथा संस्कृति चौधरी और लोकेंद्र मौर्य का एमबीबीएस में प्रवेश होने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने मेधावियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके लिए तालियां बजवाकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक हासिल करने वाले और नेट 2026 में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। समारोह में मेधावियों की उपलब्धियों को सराहा गया।

2027 के लिए केशव मौर्य का मिशन 25, सपा पर साधा निशाना

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा और प्रतिभा सम्मान सम्मेलन के दौरान 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ा लक्ष्य दिया।प्रमुख बातें-सभी 25 सीटों पर जीत का लक्ष्य: केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं से बरेली जिले की 9 और मंडल की सभी 25 विधानसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टिकट किसी को भी मिले, लक्ष्य केवल पार्टी की जीत होना चाहिए।

सपा पर हमला- पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार (2012-2017) पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि उस दौर में अपराध चरम पर था और पुलिस अपराधियों से डरती थी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में साइकिल पंचर होगी और भाजपा प्रचंड बहुमत से वापसी करेगी।

विकास और कानून-व्यवस्था का दावा- केशव मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और बिना किसी भेदभाव या रिश्वत के गरीबों, महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंच रहा है।

कैंट विधायक ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का किया स्वागत अभिनंदन , प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)। प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन के लिए रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बरेली एयरपोर्ट पर पहुंचे। बरेली कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों के साथ पुष्प गुच्छ भेंट करके उप मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया। उनसे संगठन की मजबूती पर सकारात्मक चर्चा की। इसके बाद एमबी इंटर कॉलेज मैदान में एमएलसी बहोरन लाल मौर्य द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर जनप्रतिनिधियों के साथ प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, सांसद छत्रपाल गंगवार, राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरनलाल लोधी, जिला प्रभारी दिनेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, डॉ. एमपी आर्य, डॉ. डीसी वर्मा, तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा, महिला आयोग सदस्य पुष्पा पांडे, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा एवं राम मूर्ति मौर्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं सम्मानित गण उपस्थित रहे।

क्षेत्र में दहशत फैलाने की फिराक में घूम रहा हिस्ट्रीशीटर तमंचे संग दबोचा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)आंवला। लोगों में अपना खौफ बनाए रखने के लिए अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक शातिर अपराधी को आंवला पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। शनिवार शाम उपनिरीक्षक अनुरुद्ध कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पथरी से पहले निर्माणाधीन दुकानों के पास एक युवक अवैध असलहा लिए खड़ा है। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर शाम करीब 7:25 बजे आरोपी को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान ग्राम वहजुईया निवासी विजय उर्फ चौधरी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह लोगों को डराने-धमकाने और क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखने के लिए तमंचा साथ रखता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है और उस पर चोरी, लूट, जानलेवा हमले और आर्म्स एक्ट के तहत पहले से आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

सिराथू से ही विधानसभा चुनाव लड़ेंगी पल्लवी पटेल, गठबंधन पर जल्द होगा फैसला

@ क्यूँ न लिखूँ सच



2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल ने अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगला चुनाव सिराथू से ही लड़ेंगी। साथ ही दावा किया कि भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए विपक्षी दल एक मंच पर आएंगे। अपना दल कमेरावादी प्रदेश की करीब 60 सीटों पर तैयारी कर रहा है, लेकिन गठबंधन में सीटों का समीकरण बदल सकता है।सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल ने साफ कर दिया है कि वह 2027 का विधानसभा चुनाव सिराथू सीट से ही लड़ेंगी। उनका कहना है कि बीते विधानसभा चुनाव में सिराथू की जनता ने उन पर भरोसा जताया था। ऐसे में उनका दायित्व है कि वह दोबारा इसी क्षेत्र से जनता की नुमाइंदगी करें। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के गठबंधन को लेकर स्थिति जल्द साफ हो जाएगी। पूर्व प्रधान मोईनुद्दीन उर्फ मुल्ला जी के आवास पर पहुंचीं। दो अक्तूबर को लंबी बीमारी के बाद उनका इंतकाल हो गया था। वह कमेरा पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे। पल्लवी पटेल ने उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश की राजनीति में ध्रुवीकरण का खेल चल रहा है। राजनीतिक लड़ाई दो खेमों में बंटकर लड़ी जा रही है। वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के चुनावों से काफी अलग होगा। अपना दल कमेरावादी समेत वे सभी विपक्षी पार्टियां, जो भाजपा की सरकार को सत्ता से हटाना चाहती हैं, एक साथ आकर एक बैनर के नीचे चुनाव लड़ेंगी।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल आबादी और विधानसभा सीटों के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि दिल्ली की सत्ता तक पहुंचने का रास्ता भी इसी राज्य से होकर जाता है। इसलिए प्रदेश का चुनाव राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।।सिराथू की जनता के बीच रहकर ही करूंगी नुमाइंदगी- उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को लेकर पूछे गए सवाल पर पल्लवी पटेल ने कहा कि किसी भी नेता का राजनीतिक कद जनता तय करती है। पिछले विधानसभा चुनाव में सिराथू की जनता ने महज 12 दिनों में उन पर भरोसा जताकर उन्हें जीत दिलाई थी। ऐसे में उनका दायित्व है कि वह फिर से सिराथू की जनता के बीच रहकर उसकी नुमाइंदगी करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगला विधानसभा चुनाव भी सिराथू से ही लड़ेंगी।60 सीटों पर तैयारी कर रही पार्टी- पल्लवी पटेल ने कहा कि अपना दल कमेरावादी प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से करीब 60 सीटों पर पिछले साढ़े तीन साल से लगातार चुनावी तैयारी कर रहा है।

मुरादाबाद में महिला के साथ मारपीट का आरोप, हाथ में आई गंभीर चोट; सदर कोतवाली पुलिस पर मुकदमा दर्ज न करने का आरोप

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद (सिकंदर राजा) मारपीट का एक मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपनी पुत्रवधू और उसके मायके पक्ष के लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई, बाल खींचे गए और उसके हाथ पर लोहे की रॉड से वार किया गया, जिससे उसका हाथ तीन जगह से टूट गया। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के मीना नगर गली नंबर-8 का बताया जा रहा है। पीड़िता शकीला पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद असलम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के मुताबिक, उसके बेटे नाजिम की शादी शबाना से हुई थी। किसी पारिवारिक विवाद के चलते शबाना अपने पति को छोड़कर चली गई थी। आरोप है कि 7 नवंबर 2026 की शाम करीब 5:15 बजे शबाना कुछ पुलिसकर्मियों के साथ पीड़िता के घर पहुंची। इस दौरान घर में रखे नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और कपड़े ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के अनुसार, बाद में जब पीड़िता शबाना के घर बातचीत करने पहुंची तो वहां मौजूद शबाना के मायके पक्ष के लोगों ने उसके साथ कथित तौर पर मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, बाल खींचे गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना में उसके हाथ में गंभीर चोट आई और हाथ तीन जगह से टूट गया। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद उसने सदर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने अभी तक उसका मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सामने पेश होकर अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पंकज चौधरी बोले- घुमंतू समाज को मिलेगी पहचान, बनेंगे सभी जरूरी दस्तावेज

यूपी के कन्नौज जिले में बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कामकाज को चार मंत्रों पढ़ाई, दवाई, सम्मान और रोजगार में समझा जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि विकास की रोशनी समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यह विचार रविवार को बोर्डिंग खेल मैदान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने व्यक्त किए। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन कर हुई। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराएं और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की सीख हमारी अनमोल विरासत है। हमारे पुरखों ने प्रकृति की रक्षा का जो संदेश दिया, वह आज पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। सराहना की और असीम अरुण के योगदान का भी उल्लेख किया।उन्होंने वर्ष 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि उस समय बेटियां शाम को घर से बाहर निकलने में भी असुरक्षित महसूस करती थी। भाजपा सरकार ने कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए लगातार काम किया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में हुई बूंदाबांदी आसमान में छाई कोहरे की चादर

बरेली। (ब्यूरो)। मौसम ने रविवार को अचानक करवट ली। सुबह लोगों की आंख खुली तो आसमान में घने कोहरे की चादर छाई हुई थी। कोहरे के कारण दृश्यता कम रही और सड़कों पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ देर बाद कोहरा छंटा तो आसमान में बादलों ने डेरा जमा लिया। सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। पूरे दिन धूप नहीं निकलने से मौसम में ठंडक बढ़ गई।



बूंदाबांदी और बादलों की वजह से दोपहर में भी लोगों को धूप के दर्शन नहीं हुए। तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से दिन में भी ठंड का अहसास हुआ। मौसम में आए बदलाव के बीच लोगों ने सर्दियों के कपड़े निकालने शुरू कर दिए। शनिवार की सुबह भी जिले में कोहरा छाया रहा था। मौसम विभाग ने अगले दो दिन घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है।

परसाखेड़ा में आरटीओ के नए दफ्तर की तैयारी पूरी, शुभारंभ के लिए परिवहन मंत्री से समय मांगा

बरेली। (ब्यूरो)। लंबे समय से किराये के भवन में संचालित हो रहे आरटीओ कार्यालय को अब अपना ठिकाना मिलने जा रहा है। नकटिया से परसाखेड़ा शिफ्ट होने की तैयारी तेज हो गई है। करीब 1200 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में नए कार्यालय भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। अब इसके उद्घाटन के लिए परिवहन मंत्री से समय मांगा गया है। विभाग को उम्मीद है कि नवंबर में ही नए परिसर से कामकाज शुरू हो जाएगा। फिलहाल आरटीओ कार्यालय नकटिया में किराये के भवन से संचालित हो रहा है। यहां आरटीओ और एआरटीओ प्रशासन एवं प्रवर्तन समेत अन्य अधिकारियों के कार्यालय हैं। परसाखेड़ा में नए भवन का निर्माण पूरा होने के बाद करीब दो महीने पहले वन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) भी मिल गया था। हालांकि, शिक्षक एमएलसी चुनाव की आचार संहिता लागू होने के कारण कार्यालय शिफ्ट करने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। अब आचार संहिता की बाधा दूर होने के बाद विभाग ने स्थानांतरण की तैयारी तेज कर दी है। आरटीओ प्रशासन पंकज कुमार सिंह ने बताया कि नए भवन के उद्घाटन के लिए परिवहन मंत्री से समय मांगा गया है। समय मिलते ही कार्यालय को नए परिसर में शुरू कर दिया जाएगा।



फरीदपुर में 470 ग्राम अफीम संग युवा तस्कर गिरफ्तार, सप्लायर की तलाश तेज

बरेली। (ब्यूरो)। फरीदपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 470 ग्राम अवैध अफीम और एक मोबाइल फोन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। शनिवार को उपनिरीक्षक जसवीर सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि मेन हाईवे से कंजर गौटिया नहर की पटरी की ओर जाने वाले रास्ते पर एक युवक अफीम बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर ग्राम पचौमी निवासी 20 वर्षीय आदर्श पुत्र रामनिवास को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसे यह अफीम ग्राम धीरपुर निवासी उसके साथी मंजित पुत्र राधेश्याम ने बेचने के लिए दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है, जबकि फरार साथी की तलाश की जा रही है।



पंडित नेहरू के अनुसार बच्चे हैं देश की सबसे बड़ी पूंजी



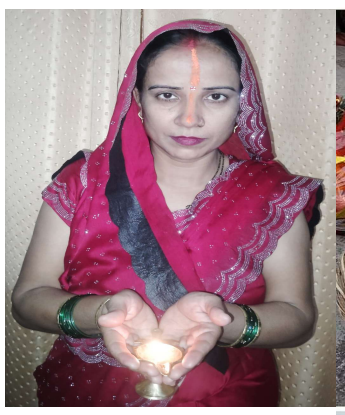




@ क्यूँ न लिखूँ सच

कुंदरकी । आँचल सामाजिक विकास समिति नवादा शेखान के बरेली कार्यालय में बाल दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया। समिति की महासचिव मोमिना परवीन ने बताया पंडित नेहरू का जन्म इलाहाबाद में हुआ था जो प्रथम प्रधान मंत्री बने, महात्मा गांधी के साथ आज़ादी की लड़ाई में जुड़े और कई बार जेल भी जाना पड़ा ।उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण के लिए विज्ञान शिक्षा और औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दिया ।नीतू मौर्य ने कहा नेहरू जी बच्चों को देश की सबसे बड़ी पूँजी मानते थे हर बच्चे को शिक्षा काअधिकार मिलना चाहिए।अर्शद हुसैन ने कहा ग़रीब और अमीर बच्चों के बीच भेद भाव नहीं होना चाहिए, बाल मज़दूरी और बाल शोषण समाप्त होना चाहिए ।हर बच्चे को खेलने सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए । प्रधान मंत्री के रूप में उन्होंने प्रौद्योगिकी संस्थान बनाए, बड़े बांध और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा दिया । इधर नवभारत समाज कल्याण समिति रहमान नगर बाहपुर में बाल मेला प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें बच्चों ने विभिन्न स्टॉल लगाएं।

छठ पर्व के तीसरे दिन घाट बनाकर सूर्य की विशेष पूजा







@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । छठ पर्व के तीसरे दिन व्रती महिलाओं ने निर्जल उपवास के दौरान शाम को स्नान करके कृत्रिम घाट बनाकर जल में खड़े होकर विशेष पूजा अर्चना की। तीन बजे से जल में खड़े होकर सूर्य देव की विशेष उपासना आरंभ की जो सूर्यास्त होने पर ही रुकी।

सोमवार की सवेरे स्कूल उगते सूर्य की पूजा करने के उपरांत छठ पर्व का विश्राम होगा। गन्ने के पौधे खड़े करके उसके नीचे फल मेवे सब्जियां आदि रखी गईं।

अगले दिन सवेरे विसर्जन के उपरांत इस प्रसाद का वितरण होगा। इस दौरान महिलाएं छठ मैया के गीत गा रही थीं। पापुलर कॉलोनी निवासी श्रद्धालु सोनी सक्सेना ने बताया उनके पड़ोस में कुछ महिलाएं छठ पर पर विशेष पूजा अर्चना करती हैं तब मेरे मन में भी यह विचार आया कि मुझे भी सूर्य देव की बहन छठ मैया की पूजा अर्चना में शामिल होना चाहिए तब लगातार दस वर्षों से मैं भी इस विशेष पूजा में शामिल होकर छठ मैया की विशेष कृपा का अनुभव कर रही हूं। पूजा अर्चना में गान्ती सिंह, ममता शर्मा, पूजा, अल्पना, प्रियंका, सोनी, प्रतीक्षा, आकाश सिंह, श्याम शर्मा, जौनी, संदीप, नितिन, विशाल, नंदिनी, अमन शर्मा,अनुराधा, अंशिका, रेशु, सिया, बंसू, अमृत, नूतन शर्मा, राज, विराज, प्रियांशी, आर्यन, आराध्या, अमृता आदि शामिल रहे।

स्योंडारा किंग्स ने 3 विकेट से जीता मैच, रोहित यादव मैन ऑफ द मैच





@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । SPL-9 के अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता में स्योंडारा किंग्स और स्योंडारा हंटर्स के बीच मुकाबला हुआ। स्योंडारा हंटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 133 रनों का लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्योंडारा किंग्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13.1 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया। रोहित यादव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि के रूप में निखिल यादव ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के आयोजन में कमेटी सदस्यों प्रिंस यादव सुमित शर्मा, सचिन यादव, अनूप शर्मा, जतिन राज यादव, अंकित यादव, मोहर सिंह, के.पी. यादव, प्रांशुल गुप्ता, हेमेन्द्र यादव, धीरन यादव, आलोक यादव, राज आर्यन मिश्रा, एवं नदीम खान रहे।

तहसीलदार ने ली स्वगणना को लेकर सुपरवाइजर और राशन डीलरों की बैठक

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । कुंदरकी और बिलारी ब्लॉक के समस्त सुपरवाइजरों की ओर राशन डीलरो की स्व जनगणना जो आज सोलह से शुरू होगी के सम्बंध में तहसील सभागार में तहसीलदार राजकुमार सिंह द्वारा बैठक आयोजित की गई। तहसीलदार ने राशन विक्रेताओं को जनगणना के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। तथा आमजन को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में स्व-गणना की ऑनलाइन प्रक्रिया एवं इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। प्रत्येक परिवार को स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी पारिवारिक जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित करना है। स्व-गणना पोर्टल पर सही एवं पूर्ण जानकारी भरने के संबंध में जागरूक करना है, स्व-गणना पूर्ण होने के बाद प्राप्त होने वाली Self Enumeration ID (SE ID) को सुरक्षित रखने की जानकारी देनी है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों तक स्व-गणना का संदेश पहुँचाना है। राशन विक्रेताओं से अपील की गई कि वे अपनी दुकानों पर आने वाले लाभार्थियों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें तथा इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। तहसीलदार ने जनगणना के इस महत्वपूर्ण कार्य में सभी राशन विक्रेताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं जनसामान्य को जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया।

बाल दिवस पर नीमरी में दौड़ प्रतियोगिता



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । क्षेत्र के ग्राम नीमरी में बाल दिवस के उपलक्ष में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें सीनियर वर्ग में गौरव मौर्य प्रथम, राजीव यादव द्वितीय तथा संजीव मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं जूनियर वर्ग में नितिन मौर्य प्रथम, निशांत यादव द्वितीय तथा विवेक यादव तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्रगान के साथ किया पृथ्वीपाल सिंह मौर्य ने हरी झंडी दिखाई। समिति अध्यक्ष विजयपाल सिंह मौर्य, कोषाध्यक्ष मोहन मौर्य, जयदेव मौर्य, सुभाष मौर्य, सौरभ मौर्य, धर्मेंद्र मौर्य, कौशल मौर्य सहित समिति के अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी रहे। विजेताओं को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रविवार को नहीं दिखे रवि

बिलारी@ **क्यूँ न लिखूँ सच** । रविवार की सवेरे जब लोग नींद से जागे तो आकाश बादलों से ढंका हुआ था और बूंदाबांदी हो रही थी। नौ बजे तक यह सिलसिला चलता रहा इसके उपरांत दिनभर बादल छाए रहे बूंदाबांदी और धूप नहीं दिखने से मौसम में ठंडक बढ़ गई। इधर लोगों ने सर्दी से बचाव के लिए अलमारी और संदूको में रखें गर्म कपड़े निकालना शुरू कर दिए हैं बाजार में भी रेडीमेड होजरी की खरीदारी शुरू हो गई है।

भाजपा के विधानसभा विस्तारक ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर में भारतीय जनता पार्टी बिलारी मंडल की संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष



विकास गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। मुख्य वक्ता के रूप में विधानसभा विस्तारक शिवम मिश्रा ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ प्रबंधन एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कहा जनवरी तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं का मतदाता पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए निर्धारित फॉर्म भरवाकर पार्टी द्वारा अधिकृत BLO-2 के माध्यम से संबंधित बूथ लेवल अधिकारी तक जमा कराने की प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा संगठन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता ने बताया कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ सहभागिता आवश्यक है। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने बूथ पर संगठनात्मक दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सहयोग से मतदाता सूचियों का अवलोकन एवं समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्ट्रक्र प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में नाम शामिल होने से छूट गए पात्र मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं के नाम जुड़वाने के लिए सत्रह नवंबर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नवीन जिला दायित्व मिलने पर कार्यकर्ताओं का स्वागत बैठक के उपरांत भाजपा बिलारी मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा संगठन में किशनलाल प्रजापति को जिला मंत्री, पिछड़ा वर्ग मोर्चा व अनुसूचित मोर्चा का दायित्व मिलने पर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता ने बिलारी मंडल की ओर से पटका पहनाया। बैठक में अभिलाष गौड़, मनोज कुमार, मनोहर सिंह, वीरपाल कोहली, नवनीत यादव, दीपक, प्रभाकर प्रजापति, अंकुर भटनागर, राजीव सैनी, गिरीश बाबू, दिनेश चौधरी, मोहित सागर, शकील अहमद, सनी सक्सेना, रोबिन गुप्ता, दिनेश प्रजापति, किशोर कुमार, मनोज सक्सेना, काशीराम आदि रहे।



ट्रैक्टर पलटने से पूर्व मंत्री के भतीजे की मौत, परिवार में मचा कोहराम

यूपी के बांदा जिले में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। दुर्घटना बबेरू कोतवाली क्षेत्र के गांव हरदौली के पास हुई। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के हरदौली गांव के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे पूर्व मंत्री व बबेरू व नरैनी से चार बार विधायक रहे व बसपा के नेता प्रतिपक्ष गयाचरण दिनकर के भतीजे की ट्रैक्टर के नीचे दबकर मौत हो गई। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के गांव टोलाकला निवासी मुकेश कुमार (18) रविवार को दोपहर अपने गांव से ट्रैक्टर लेकर बबेरू जा रहा था। हरदौली गांव के पास अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, हादसे में वह ट्रैक्टर के नीचे दब गया। स्थानीय ग्रामीणों ने परिजन और पुलिस को सूचना दी। पुलिस और परिजन ने उसे सीएचसी बबेरू पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। युवक के मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। वह दो भाइयों व दो बहनों में तीसरे नंबर का था। हादसे से पिता मूलचंद्र, मां रामलली का रो-रोकर बुरा हाल है।मुकेश बबेरू कस्बे के जेपी शर्मा इंटर कॉलेज में कक्षा 12वीं का छात्र था। पिता मूलचंद्र खेती किसानी करते हैं, उनके पास आठ बीघा खेती है। पुत्र मुकेश भी उनका खेती किसानी में हाथ बटाता था। बबेरू कोतवाल संजय द्विवेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शेखूपुर चीनी मिल में पेराई सत्र का हुआ शुभारम्भ



@ क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बदायूँ में किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड शेखूपुर के 50वें पेराई सत्र 2026-27 का शुभारम्भ उपजिलाधिकारी सदर श्री सांई आश्रित शाखमुरी ने मिल गेट पर विधि-विधान से हवन-पूजन के साथ किया। इस अवसर पर ग्राम शेखूपुर निवासी बृजभान की गन्ने से भरी प्रथम बैलगाड़ी तथा ग्राम बदरपुर निवासी अमित पटेल की ट्राली की तौल कराई गई। उपजिलाधिकारी ने दोनों किसानों को उपहार भेंट कर पेराई सत्र का शुभारम्भ किया। इसके पश्चात डोंगा पूजन कर उसमें गन्ना डाला गया। चीनी मिल परिसर स्थित सैयद बाबा की मजार पर चादरपोशी की गई तथा शिव मंदिर में पूजन-अर्चन किया गया। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन भी हुआ।

मिल के प्रधान प्रबंधक ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने गन्ना किसानों से अपील की कि पेराई सत्र के प्रारंभ से ही मिल को स्वच्छ एवं ताजा पेड़ी गन्ने की आपूर्ति करें। इससे मिल संचालन सुचारु रूप से हो सकेगा तथा किसानों द्वारा आपूर्ति किए गए गन्ने का समय से भुगतान सुनिश्चित करने में भी सुविधा होगी।इस अवसर पर प्रधान प्रबंधक रामकेश सिंह, उपाध्यक्ष सोबरन सिंह, आरटीओ हरिओम गौतम, मिल संचालक अरचित सिंह सहित चीनी मिल के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी सिटी नें मेला ककोड़ा की तैयारियों का लिया जायजा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूं में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक कुमार द्वारा आगामी मेला ककोड़ा (मिनी कुंभ) के सकुशल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत गंगा तट पर मेला स्थल का निरीक्षण किया गया । इस दौरान मेले की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने निर्देशित किया कि मेले की सभी तैयारियां निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराई जाएं । श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए मेला स्थल तक जाने वाले मार्गों का निर्माण एवं मरम्मत समय से सुनिश्चित की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े । मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए । साथ ही भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके । इसके अतिरिक्त मेला परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए । इस अवसर पर थानाध्यक्ष कादरचौक श्री विक्रम सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाई और भाभी पर मारपीट का आरोप, दोनों पक्ष मेडिकल के लिए भेजे गए

@ क्यूँ न लिखूँ सच

भुता।(शेर सिंह) थाना क्षेत्र के सिमरा बहोर नगला गांव में खेत की नापजोख को लेकर दो भाइयों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि बड़े भाई ने छोटे भाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर बड़े भाई की पत्नी भी लाठी-डंडे लेकर पहुंच गईं और मारपीट करने लगीं। घटना में ओमशिव और उनकी पत्नी को चोटें आई हैं।

ओमशिव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह कई बार अपने बड़े भाई अजय नारायण उर्फ पुन्नू से खेत की नापजोख कराने के लिए कह चुके हैं, लेकिन हर बार विवाद और गाली-गलौज होने लगती है।

सुबह वह दुकान से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बड़े भाई ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उनकी पत्नी राधा देवी भी लाठी-डंडे लेकर पहुंच गईं और मारपीट करने लगीं। इसमें ओमशिव और उनकी पत्नी को चोटें आईं।

पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस बुला ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। कुछ देर बाद राधा देवी भी हाथ में चोट लगने की बात कहते हुए थाने पहुंच गईं। पुलिस ने दोनों पक्षों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है।

पीड़ित ने बताया कि कुछ महीने पहले भी गांव के अवधेश और डोरीलाल को लेकर अजय नारायण उर्फ पन्नू ने पुलिस चौकी में शिकायत की थी। डोरीलाल द्वारा खरीदे गए खेत पर कब्जे को लेकर भी विवाद हुआ था। पीड़ित के मुताबिक, उस मामले में पुलिस की जांच में अजय नारायण उर्फ पुन्नू को दोषी पाया गया था।

ग्रामीणों का कहना है कि भाइयों के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद से मोहल्ले के लोग भी परेशान हैं। ओमशिव ने बताया कि उनका छोटा बेटा गंभीर बीमारी से जूझ रहा है। ऐसे में परिवार पहले से ही परेशानियों का सामना कर रहा है।

डिजिटल कौशल मार्गदर्शिका से शिक्षकों को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण, दी जाएगी चरणबद्ध जानकारी

यूपी में शिक्षकों के लिए आईसीटी व डिजिटल पहल पर प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शिका तैयार की गई है। इसमें स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब और डिजिटल पुस्तकालय के प्रभावी प्रयोग की चरणबद्ध जानकारी दी जाएगी।उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को प्रभावी बनाने और शिक्षण प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ने के क्रम में समग्र शिक्षा की ओर से ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए उत्तर प्रदेश डिजिटल कौशल मार्गदर्शिका तैयार की गई है। इसके माध्यम से शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों का उद्देश्यपूर्ण उपयोग करने और विद्यार्थियों की जरूरत के अनुसार शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मार्गदर्शिका के माध्यम से शिक्षकों को विद्यालयों में उपलब्ध स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब और डिजिटल पुस्तकालय के उपकरणों की पहचान, संचालन, शैक्षिक सामग्री तक पहुंच और कक्षा शिक्षण में उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी जाएगी। मार्गदर्शिका में प्रशिक्षण के उद्देश्यों, सत्रों के क्रम और डिजिटल संसाधनों के व्यावहारिक उपयोग को विस्तार से शामिल किया गया है। मार्गदर्शिका में इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल (आईएफपी), ओपीएस, यूपीएस, डेस्कटॉप, वाई-फाई राउटर, प्रिंटर, वेब कैमरा और अन्य उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई है। शिक्षकों को उपकरणों को चालू करने और बंद करने का सही क्रम समझाया जाएगा। सिस्टम चालू करते समय पहले मुख्य विद्युत स्विच, फिर यूपीएस और उसके बाद पैनल एवं ओपीएस चालू करना होगा। बंद करते समय पहले सभी फाइलें और एप्लीकेशन सुरक्षित रूप से बंद कर ओपीएस को शटडाउन करना होगा। इसके बाद पैनल और अंत में यूपीएस एवं मुख्य स्विच बंद किया जाएगा। विद्यालय के सभी उपकरणों का स्टॉक पंजिका में अंकन कराने पर भी जोर दिया गया है।शिक्षक एलएमएस और दीक्षा के माध्यम से कक्षा एवं विषयवार शिक्षण सामग्री तक पहुंच सकेंगे। इसके अतिरिक्त पीएम ई-विद्या और खान एकेडमी जैसे डिजिटल मंचों के उपयोग की जानकारी भी दी गई है। दीक्षा पर कक्षा 1 से 8 तक की 82 एनर्जाइज्ड पाठ्यपुस्तकों और 16 हजार से अधिक शैक्षिक वीडियो उपलब्ध होने का उल्लेख है। शिक्षक पाठ्यपुस्तकों के क्यूआर कोड स्कैन कर संबंधित वीडियो और गतिविधियों को कक्षा में प्रदर्शित कर सकेंगे। पीएम ई-विद्या के माध्यम से टीवी, रेडियो और ऑफलाइन माध्यमों से भी शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जा सकेगा। मार्गदर्शिका में प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट डिजिटल सामग्री के उपयोग का सुझाव दिया गया है। इंटरनेट उपलब्ध न होने की स्थिति में पहले से डाउनलोड सामग्री, दीक्षा की ऑफलाइन सामग्री और पेन ड्राइव में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने की बात कही गई है। डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत 5,000 से अधिक ई-पुस्तकों, समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं के ई-संस्करण और ऑडियो बुक की सुविधा उपलब्ध है। इसके एकेडमिक मोड के माध्यम से शिक्षक कक्षा में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम के आधार पर बच्चों का आकलन कर सकेंगे। किसी विषय अथवा टॉपिक को समझने में बच्चों को हो रही कठिनाई की पहचान कर आवश्यकतानुसार रेमेडियल कैचअप कंटेंट के माध्यम से उसे दूर किया जा सकेगा। इससे शिक्षक प्रत्येक बच्चे की सीखने संबंधी जरूरत पर समान रूप से ध्यान दे सकेंगे।आकलन और प्रगति की होगी डिजिटल ट्रैकिंग मार्गदर्शिका में आईसीटी के माध्यम से विद्यार्थियों के आकलन और स्वतंत्र अभ्यास को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। शिक्षक एलएमएस अथवा दीक्षा के प्रश्नों से आकलन कर सकेंगे और परिणामों को निपुण प्लस ऐप में दर्ज कर सकेंगे। जिस प्रश्न पर आधे से अधिक बच्चे गलत उत्तर देंगे, उस अवधारणा को अगले कालांश में दोबारा पढ़ाने का सुझाव दिया गया है। खान एकेडमी और एलएमएस की रिपोर्ट के माध्यम से विद्यार्थियों के अभ्यास एवं प्रगति को ट्रैक करने तथा आवश्यकता के अनुसार कैच-अप शिक्षण कराने पर जोर दिया गया है। शिक्षण प्रक्रिया में 'मैं करके दिखाता हूं, हम मिलकर करते हैं और बच्चे स्वयं करते हैं' के तीन चरणों वाली स्कैफोल्डिंग पद्धति भी शामिल की गई है। जोर- शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से पाठ योजना, प्रश्न, कार्यपत्रक और अलग-अलग कठिनाई स्तर की गतिविधियां तैयार कर सकेंगे। हालांकि एआई से प्राप्त सामग्री की तथ्यात्मक शुद्धता और पाठ्यक्रम के अनुरूपता की जांच शिक्षक को स्वयं करनी होगी।

परंपरा वही, अंदाज नया: छठ पूजा के लिए बाजार में छाई झालर और सितारों से सजी डिजाइनर टोकरियां



मुरादाबाद में छठ महापर्व के लिए पारंपरिक पूजा सामग्री, जैसे टोकरी और सूप, अब रंग-बिरंगी झालर और सितारों से सजाकर बेचे जा रहे हैं। नई पीढ़ी की पसंद के अनुसार इन सजावटी टोकरियों की मांग बढ़ गई है, जो पूजा की परंपरा को आधुनिकता का स्पर्श दे रही हैं।सूप पर चढ़ा रंग, टोकरी पर झालर, सितारे और रंगीन कपड़ों की सजावट मांग रही महिलाएंछठ महापर्व को लेकर शहर भर में पूर्वांचलवासियों में उत्साह है। महिलाएं खरीदारी और तैयारी में जुटी हैं। घाट से लेकर बाजार तक पूजा की परंपरा तो वही है, लेकिन इस बार पूजन सामग्री के साथ उसे सजाने का अंदाज भी बदल रहा है। बाजार में पारंपरिक बांस की टोकरी और सूप अब रंग-बिरंगी झालर, सितारे, गोटे और चमकदार कपड़ों से सजाकर बेचे जा रहे हैं।

महिलाएं पूजा के लिए सामग्री जुटाने के साथ ही अपनी पसंद के अनुसार सजी हुई टोकरी और सूपरी भी खरीद रही हैं। खासकर लाल रंग की झालर और गोटे से सजी टोकरियों की मांग अधिक है।

बाजार में इस बार साधारण के साथ सजावटी टोकरियों की भी कई वैरायटी मौजूद हैं। विक्रेताओं ने ग्राहकों की पसंद को देखते हुए पीले रंग के सजावटी टोकरी के साथ रंगीन कपड़ों और झालरों से सजे विकल्प रखे हैं।

छोटी टोकरी से लेकर बड़े टोकरों तक में सजावट के अलग-अलग नमूने देखने को मिल रहे हैं। इससे पारंपरिक पूजन सामग्री में भी नया आकर्षण जुड़ गया है। विक्रेता आदित्य के अनुसार, साधारण सूपरी 80, 100, 120 और 130 रुपये तक में उपलब्ध है।छोटी टोकरी 120 से 150 रुपये में मिल रही है। सजावटी टोकरियों की कीमत 220 से 250 रुपये है, जबकि पीले रंग से सजा टोकरा 400 रुपये में उपलब्ध है। सजावट के हिसाब से कीमतों में अंतर है।

सूप में रंग के साथ टोकरी में लाल रंग की झालर बन रही पसंद

छट पूजा में प्रयोग होने वाली सूपरी-टोकरी को भी महिलाएं आधुनिकता से जोड़कर देखकर ले रही हैं। महिलाओं का कहना है कि लाल रंग प्रेम और शक्ति का प्रतीक होता है।इसलिए अधिकतर ऐसे ही रंग की सजावट वाली टोकरी खरीदी जा रही है। वहीं विक्रेताओं का कहना है कि आधुनिकता के साथ अब पसंद भी बदल रही पहली बार व्रत करने वाली महिलाएं सजावट अधिक डिमांड कर रही हैं।

थोड़ी सजावट और आकर्षक रंग को ध्यान में रखकर इसबार टोकरी खरीदी है। पूजा के दौरान थोड़ी सहुलियत भी होती है। - संयुक्ता पांडे, आशियाना।

पहले से अब बदलाव आया है। टोकरी और सूप भी रंगबिरंगे हो गए। सजावट वाले थोड़े महंगे जरूर हैं लेकिन सुंदर दिखते हैं। - शालिनी चौबे, कांशीराम नगर।

संक्षिप्त समाचार

ओटीएस में आवेदन की तारीख बढ़ी, मुरादाबाद के गृहकर और जलकर बकायेदारों होगा लाभ

गृहकर और जलकर बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की आवेदन तिथि बढ़ गई है। इससे मुरादाबाद सहित प्रदेश के सभी नगर निकायों के भवन स्वामियों को योजना का लाभ लेने का अतिरिक्त समय मिलेगा।ओटीएस आवेदन की अंतिम तिथि 14 दिसंबर तक बढ़ी। निस्तारण की समय सीमा 15 जनवरी तक विस्तारित की गई। मुरादाबाद सहित प्रदेश के बकायेदारों को मिलेगा लाभ।गृहकर और जलकर के बकायेदारों को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ लेने के लिए शासन ने अतिरिक्त समय दिया है। अब योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर से बढ़ाकर 14 दिसंबर कर दी गई है। वहीं, प्राप्त आवेदनों के निस्तारण की समय सीमा भी 15 दिसंबर से बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी गई है। इससे नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों के उन भवन स्वामियों को राहत मिलेगी, जो अब तक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन नहीं कर सके हैं।नगर विकास विभाग के अनु सचिव चंद्रपाल सिंह ने 15 नवंबर को इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। इससे पहले 20 जुलाई 2026 को जारी शासनादेश के तहत ओटीएस योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक संचालित की गई थी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन 15 अगस्त से 14 नवंबर तक मांगे गए थे। अब आवेदन की अवधि एक महीने बढ़ा दी गई है।शासनादेश के अनुसार, प्रदेश के सभी 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में योजना लागू है। आवेदन प्राप्त करने और उनके निस्तारण की समयसीमा बढ़ाई गई है। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि योजना की अन्य शर्तें और प्रतिबंध पहले की तरह ही लागू रहेंगे। नगर निकायों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अधिक से अधिक बकायेदारों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए हैं।



जितना जीत-हार का अंतर, उससे ज्यादा मतदाताओं के नाम कटे; देखें बरेली की नौ विधानसभा सीटों के आंकड़े

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बरेली जिले में 7,14,753 मतदाता घट गए। यह आंकड़ा 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत-हार के अंतर से कई गुना अधिक है। हालांकि, नए मतदाताओं को जोड़ने का काम चल रहा है। अंतिम मतदाता सूची चार जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी।बरेली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान मतदाता सूची में कटौती का आंकड़ा पिछले विधानसभा चुनाव में जीत-हार के अंतर से कई गुना अधिक है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले की नौ सीटों पर जीत का अंतर 2,921 से 32,480 वोटों के बीच रहा था। एसआईआर से पहले 27 अक्तूबर 2025 की मतदाता संख्या और छह जनवरी 2026 को प्रकाशित ड्राफ्ट की तुलना में जिले के नौ विधानसभा क्षेत्रों में 7,14,753 मतदाता घट गए। छह जनवरी को ड्राफ्ट प्रकाशित होने के बाद दावों और आपत्तियों के निस्तारण के दौरान मतदाताओं की संख्या में फिर बढ़त हुई। अप्रैल 2026 में जिले में कुल 29,48,987 मतदाता दर्ज किए गए। अब विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत मतदाताओं को जोड़ा जा रहा है। अब्सेंट शिफ्ट, डेथ (एएसडी) संबंधी फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 17 नवंबर को होगा।17 नवंबर से 16 दिसंबर तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष सिंह ने बताया कि नए और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराने के लिए प्रचार-प्रसार हो रहा है। एसआईआर से पहले 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 46,631 मतदाता थे। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 28,912 थी। ड्राफ्ट सूची में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या घटकर 9,079 रह गई, जबकि दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 24,657 दर्ज की गई। अप्रैल के आंकड़ों में 18 से 19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या बढ़कर 50,281 और दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 25,742 हो गई।जीत 32, 320 वोटों के अंतर हुई थी। बरेली कैंट में 134345 मतदाता कम हुए, जबकि यहां जीत का अंतर 10,768 वोटों का था। फरीदपुर में 69,329 मतदाताओं की कमी दर्ज हुई, जबकि चुनाव में महज 2,921 वोटों से जीत-हार का फैसला हुआ था। बहेड़ी में 58,997, भोजीपुरा में 65,043 और नवाबगंज में 48,874 मतदाताओं की कमी दर्ज हुई। इन सीटों पर हार-जीत का अंतर क्रमशः 3,355, 9,409 और 9,237 वोटों का था। मीरगंज में 47,428, बिथरी चैनपुर में 77,506, आंवला में 48,024 मतदाता कम हुए। इन सीटों पर जीत का अंतर क्रमशः 32,480, 15,841 और 18,424 वोटों का रहा।विशेषज्ञ की राय-बरेली कॉलेज के राजनीति शास्त्र की प्रो. वंदना शर्मा ने कहा कि आंकड़ों के मुताबिक, विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के प्रारूप में कम मतदाताओं की संख्या 2022 के चुनाव में जीत के अंतर से अधिक है।

Delhi needs clean air, not a closed city! How has the fight against pollution deviated from its true purpose?

Environmentalist Sunita Narain has expressed concern over the misuse of GRAP to combat winter pollution in Delhi. As winter begins, Delhi becomes breathless, but instead of controlling air pollution, it tightens its grip on public life. What was the original idea behind GRAP and what should be its framework for action? Environmentalist Sunita Narain explains… With the arrival of winter, a season of despair begins in Delhi. Within a few days, toxic elements accumulate near the ground, suffocating us. This situation becomes even more dire on days when there is little wind and smoke from burning stubble in neighboring fields is brought in. The question, as it is every year, is what have we done to make this season less harmful? The Delhi government has taken steps to combat winter pollution, but these measures are half-hearted. The government's action plan is limited to shutting down the city, placing the entire onus of halting daily activities squarely on the public. Improved public transport is essential to combat pollution. I am aware that the large number of private cars and two-wheelers is a major cause of air pollution. However, without providing ordinary commuters with viable alternatives, such as adequate and improved public transport and safe roads where people can cycle or walk, instructing us to operate at 50% capacity for three months (from November to January) is futile. The government has simply copied the Graded Response Action Plan (GRAP) guidelines but has no idea what it truly entails. Let me clarify this, as I was among those who presented the GRAP idea before the Supreme Court. This was in 2016, when I was a member of the then Environment Pollution Prevention and Control Authority (EPCA) for the National Capital Region (NCR), reporting directly to the Supreme Court. We proposed GRAP as an emergency measure to combat smog (a mixture of smoke and fog), not as a substitute for concrete action on the ground. It was called phased because restrictions were to be implemented based on the severity of air pollution. When the Supreme Court approved GRAP in 2016, it was well aware of the disruptions it would cause. For example, closing schools would cost children their education. Therefore, the original GRAP, notified by the central government in 2017, provided for school closures only on days when air quality levels fell into the "severe" category. Locking down cities is not a permanent policy—the government could ban the entry of heavy vehicles and the operation of private vehicles in the city. These restrictions were to be limited to days when absolutely necessary, and in the meantime, concrete steps were to be taken to prevent the need for such emergency measures in the future. This inconvenience to normal life was intended to pressure governments to take strict action throughout the year. Locking down the city was not a permanent policy. The issues remain, but the pace of resolution is very slow. The first issue is the sheer number of vehicles on Delhi's roads. The only practical way to address this is to develop a time-bound plan to strengthen public transport, not just limited to Delhi but implemented across the entire NCR. Electric buses, taxis, and three-wheelers should be a strong complement to the electrified metro network (the Supreme Court laid the foundation for this by 2019, based on EPCA recommendations). The court issued directives emphasizing the need for at least 10,000 buses, both small and large, in the city and paving the way for the Delhi Metro Rail Corporation to expand its network and build the first high-speed rail corridor (Delhi-Meerut). Even today, Delhi has only two-thirds of the recommended number of buses. Other cities in the NCR have practically no connectivity. Another issue is industrial pollution from factories operating in unauthorized areas in and around the city. While they have been instructed to stop using coal, little effort has been made to implement it. Practical alternatives are available, whether it's cheap electricity or natural gas. I could list many more such issues, but my main complaint is that we are neither working comprehensively nor taking strict and timely action to bring down the pollution graph.



These indoor plants act as natural air purifiers, maintaining both the air quality and beauty of your home.

In such a situation, some indoor plants can act as natural air purifiers, keeping the air in your home pure and clean. Pollution levels outside have increased so much that even indoor air is becoming less clean due to dust, smoke, chemicals, and poor ventilation. If you want to keep the polluted air in your home clean and pure, there are indoor plants that can be kept indoors to restore air quality. Spider Plant - This is a very fast-growing plant with striped leaves. The best part is that this plant requires very little care compared to other plants. Keeping this plant in the room helps maintain humidity and provides relief from pollution. Areca Palm - The Areca Palm has long, feather-like leaves, which can help purify the air when kept indoors. This plant plays a significant role in absorbing harmful airborne contaminants like xylene, formaldehyde, toluene, carbon monoxide, and benzene. This increases oxygen levels in the room and improves air quality. Snake Plant - The snake plant can be a great choice for indoor plants. Its benefits include the use of crassulacean acid metabolism to absorb CO2 at night and release oxygen into the air, enhancing the appearance of the room. Boston Fern - The Boston fern also plays a significant role in improving air quality. It has been ranked among the top plants in NASA's research on clean air. Keeping this plant indoors helps absorb toxic air and maintain humidity levels. Peace Lily - With its white flowers and broad leaves, the peace lily plant can enhance a home's beauty while also adding moisture to dry, polluted air. Just be sure to keep it away from pets, as it's considered a toxic plant. English Ivy – You can also choose an English ivy plant to purify your room's air. This plant thrives in indirect light and with minimal watering.



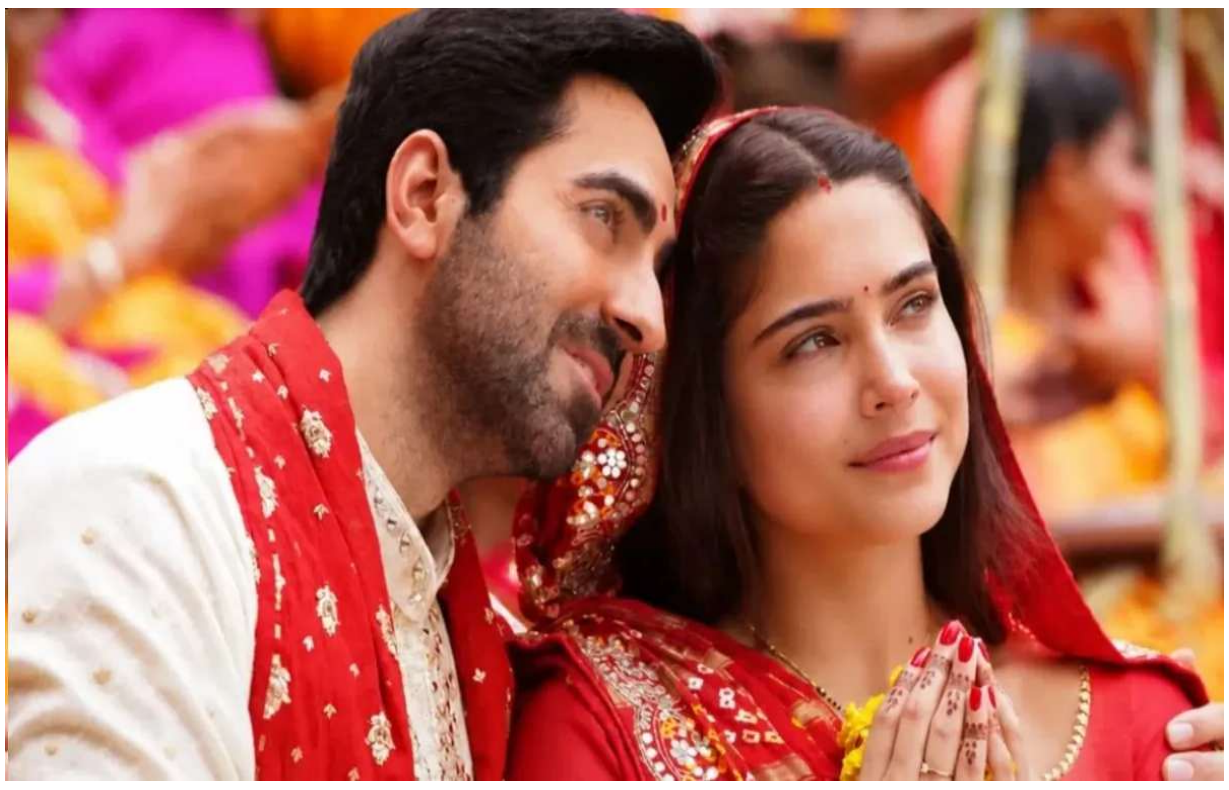
Sudden heart rate increase, shortness of breath, and numbness in the hands and feet! Are these bodily signals anxiety or a panic attack?

Many people are unable to differentiate between anxiety and a panic attack when they experience symptoms like increased heart rate and numbness in the hands and feet. Many people experience an internal problem but fail to recognize it. One minute ago, they were calmly doing their work, and the next minute, their heart rate suddenly increases. Their hands and feet also become numb, and they feel as if they are unable to breathe. How do you describe this situation to someone? Because people often mistake it for anxiety or a panic attack. Let's understand the subtle differences between the two to make it easier to express your feelings to a doctor. What is a panic attack? A panic attack is a condition in which a person's level of fear and anxiety increases significantly. Suppose you are afraid of crossing the street. In such a situation, your fear can overwhelm your mind and body. It has a special connection with any type of phobia. It's also important to understand that phobias aren't the sole cause of this attack. Many other factors can be responsible, especially when the body goes into fight-or-flight mode and receives signals of danger, even though no such situation actually exists. Trauma in life can be a major cause of this attack. Symptoms: Sudden increased heart rate, chest pain, trembling of hands and feet, sweating, feeling of suffocation, dizziness, nausea, numbness of the body, the illusion that everything around is not real. What is anxiety? In medical terms, there's no such thing as an anxiety attack because it hasn't been defined in the medical world. But that doesn't mean such a problem doesn't exist. In fact, people often refer to panic attacks as anxiety attacks in common parlance. Anxiety is a human emotion that includes feeling nervous while giving a big interview or giving a presentation. Although there is no exact cause for it, it also depends on how a person handles stress. Symptoms - Fatigue Headache Rapid heartbeat Muscle tension Sweating Difficulty in breathing What is the difference between the two? Anxiety is usually caused by long-term stress, whereas panic attacks can sometimes strike suddenly without any reason. Anxiety can last for weeks and months, but the duration of a panic attack is only 15-20 minutes.



From Bhojpuri to Bollywood! How has Chhath been portrayed on the cinematic canvas? 'Yeh Prem Mol Liya' raises new hopes

Rajshri Productions' film 'Yeh Prem Mol Liya' prominently features the Chhath festival, raising new hopes for the depiction of Chhath in cinema. The Chhath festival is depicted in the film 'Yeh Prem Mol Liya'. The long history of Chhath portrayal in Indian cinema - the challenges of accurately portraying Chhath in Bollywood. Rajshri Productions' upcoming film, 'Yeh Prem Mol Liya', directed by Sooraj Barjatya and starring Ayushmann Khurrana and Sharvari Wagh, attempts to prominently showcase Chhath. The film also features a melodious Chhath song sung by Shreya Ghoshal, though it's not in the traditional tune of Chhath songs. However, given the liberty Hindi cinema takes in the name of cinematic liberty, one cannot be overly confident about the filming of a festival like Chhath. Yes, it's certainly heartening to see Hindi cinema's reluctance to portray a traditional festival like Chhath, centered on Bihar and Uttar Pradesh, is breaking down. It began in 1930, however, in Bihar itself, when Maharaja Jagannath Prasad Singh "Kinkar" of Deo produced a four-reel 16mm documentary, "Chhath Mela." This was natural, as the Maharaja of Deo, raised in the shadow of the legendary Sun Temple, knew that the Chhath festival could bring prestige and acceptance to the film genre in Bihar, much like Dadasaheb Phalke had used religious themes as a basis for cinema's acceptance among the general audience. It's no surprise that in 1961, when Bihar's first Magahi film, "Bhaiya," was made under the direction of Phani Majumdar, the Chhath scene was included at the very beginning. The scene was enhanced by Usha Mangeshkar's Chhath song, "Supave Nariyarve Bojhi Mori Naiya, Ke Naiya Utaare Paar Ho, Main Banjarin Ram Ki." The lyrics were written by Vindhyavasini Devi and the music was composed by Chitragupta. Has such a feat not been replicated to this day? Immediately after the film's title, a scene begins showing people arriving with Chhath 'Dala' (bread) on their foreheads. Crowds of villagers are seen gathered at the ghat with 'Sup' (bread) and 'Dala' (bread) for the 'Arghya' (offering). It's also surprising that the naturalness with which Phani Majumdar filmed the Chhath scenes has never been replicated on screen. The truth is that as Bihari cinema developed in later years, it didn't feel the need to even look back at Chhath. Bhojpuri cinema started in 1962 with the Bhojpuri film 'Ganga Maiya Tohe Pyari Chadhaibo' and an attempt was made to establish Bhojpuri cinema as Bihar's own cinema, the audience also accepted these films wholeheartedly, but the cinema of this language, in which most of the traditional Chhath songs were composed, did not feel the need to showcase Chhath. A film was made about Chhathi Maiya. After a long hiatus, seeing the popularity of Vindhyavasini Devi's Chhath song album, filmmaker Tapeshwar Prasad, who had worked with many prominent filmmakers in Bengal, including Satyajit Ray, saw the potential of Chhath Puja in cinema. In 1979, he made the film Chhath Maiya Ki Mahima, starring Abhi Bhattacharya, Padma Khanna, and Jeevan. The music for this film was composed by Bhupen Hazarika, the lyrics were written by Pt. Pradeep and Vindhyavasini Devi. Vindhyavasini Devi sang four of the film's ten songs, and Lata and Asha Devi each provided voices for one song. However, the film failed to reach audiences, and with it, the potential of Chhath in cinema probably ended. Nearly 45 years later, when Chhath became popular not only in Bihar but globally, efforts began to include Chhath in the UNESCO list. Nitin Chandra made a beautiful Bhojpuri film titled "Chhath." Since Nitin Chandra has been working on Chhath in the audio-visual medium, he has created several beautiful albums on Chhath. Naturally, he was successful in conveying the full range of Chhath rituals to the audience. He beautifully captured all the nuances of traditional songs, local fruits, dishes, paintings, and soups, all of which define Chhath as a folk festival. However, this failed to become a catalyst for Bhojpuri cinema. Ekta Kapoor's film also reflected this: "It's notable that in recent times, as Chhath gained global attention, Hindi cinema's reticence towards Chhath also seemed to break down. However, the extent to which this attachment to the cultural and religious traditions of Hindi speaking states remains deceptive is also evident in the depiction of folk festivals like Chhath. A film like Ekta Kapoor's "The Forest Force of the Forest," set against the backdrop of a temple in Bihar, mentioned Chhath, but neither its date nor its traditional rituals were observed. Furthermore, a peaceful and sacred festival like Chhath was transformed into a horror film by linking it to the terror of demons. You can't really show Lohri in the summer, you can't show Dandiya on Janmashtami, so how can you show Chhath on a full moon night? But Hindi cinema's seven sins are forgiven! While Indian festivals like Rakshabandhan, Holi, Dussehra, and Diwali are disappearing from Hindi cinema one by one, the return of Chhath offers some solace. Even if this is simply the effect of Chhath's growing global reach, we can be confident that the presence of Chhath scenes on screen will increase.



"Sheetli Bayariya..." This Chhath song by Palak Muchhal resonates abroad, with the singer's name included in the lyrics.

Palak Muchhal and Pawan Singh's Chhathi Maiya song has received over 250 million views on YouTube so far. Palak Muchhal's song is widely played during Chhath Puja. She collaborated with Pawan Singh for the song. The song has received over 250 million views on YouTube. The Chhath festival is celebrated with great enthusiasm across the country, and music enhances the spirit of the festival. Many songs extol the glory of Chhathi Maiya, and these songs are a must-hear during this four-day festival. Palak Muchhal's song, "Sheetli Bayariya Sheetal Duje Paniya," is one such song, sung by singer Palak Muchhal. This song is popular not only in the country but also abroad. NRIs living abroad are a must-listen to this song during Chhath Puja. Collaboration with Pawan Singh - Palak Muchhal is primarily known for her romantic hits in Hindi and sings in 17 languages, but her repertoire of Bhojpuri songs is quite short. Singing a traditional Chhath song with Pawan Singh was a surprising collaboration. However, the song was well-received and has become an integral part of the Chhath festival. Unlike typical devotional songs, this song directly mentions Palak Muchhal's name. "Vinay Bihari likhle mai ke bhajanva, gaaveli Palak beti dhar ke dhyanava," which means, "Daughter Palak" is singing this bhajan with complete devotion. Over 250 million views on YouTube - This song is widely listened to in India and abroad, and has now surpassed 252 million views on YouTube. During Chhath Puja, this song frequently trends on social media platforms. It becomes a nostalgic soundtrack for families celebrating the festival among the diaspora around the world.



Despite being a Muslim, Bhojpuri star Rani Chatterjee celebrates Chhath every year. Why and how did the actress change her name?

Bhojpuri star Rani Chatterjee belongs to a Muslim family, but despite this, she celebrates the Chhath festival every year. What is the real name of Bhojpuri superstar Rani Chatterjee? Despite being a Muslim, she performs Chhath Puja - gave a befitting reply to those who raised questions. The greatest beauty of India is that people of many religions and cultures live together here, and everyone has complete freedom to follow their own cultural traditions. Not only this, people of different religions also respect other religions equally. Rani Chatterjee celebrates Chhath every year - In many places, festivals like Diwali, Eid, and Christmas are celebrated together by people of all religions. Currently, the festival of Chhath is being celebrated across the country. Although it's primarily a Hindu festival, Bhojpuri actress Rani Chatterjee, who hails from a Muslim family, celebrates it annually. What is Rani Chatterjee's real name? Rani Chatterjee was in the tenth grade when she was shooting for the Bhojpuri film Sasura Badda Paisawala. She had to film a scene in which she went to a temple and prayed to God for her husband. However, the director feared that if the priest discovered she was Muslim, the shooting might be hampered. Rani's real name was Sabiha. To overcome this obstacle, the director told Sabiha that if anyone asked her name, she should say Rani. This was her name in the film as well. Later, when media personnel asked the actress's name, the producers hastily added the surname Chatterjee to Rani, thus changing Sabiha's name to Rani Chatterjee. The film was a hit at the box office - This film was a hit at the box office and after this Rani Chatterjee became famous. After this she continued her identity. Why does she perform Chhath Puja every year? - When Rani was talked about this in an interview, she replied, 'I have respected all religions since childhood. People have rarely seen me offering namaz, but they have seen me performing puja and prayers a lot. I seek the blessings of Chhathi Maiya every year.' She further said, 'Working in films completely changed my perspective of looking at the world. As an artist, I got the opportunity to know different religions. Sometimes I play the role of a Christian woman in films, sometimes I perform Tandava in the temple of Kali, and sometimes I sing bhajans of Bholenath. Knowing different religions means recognizing India